2 थिस्सलुनीकियों

1 पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस की ओर से हमारे
परम पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह में स्थित
थिस्सलुनीकियों की कलीसिया के नाम:
2तुम्हें परम पिता परमेश्वर और यीशु मसीह की ओर
से अनुग्रह तथा शांति प्राप्त हो।

पौलुस का धन्यवाद तथा परमेश्वर के न्याय की चर्चा

3हे भाइयो, तुम्हारे लिये हमें सदा परमेश्वर का धन्यवाद
करना चाहिये: ऐसा करना उचित भी है। क्योंकि तुम्हारे
विश्वास का आश्चर्यजनक रूप से विकास हो रहा है
तथा तुममें आपसी प्रेम भी बढ़ रहा है। 4इसीलिये
परमेश्वर की कलीसियाओं में हम स्वयं तुम पर गर्व करते
हैं। तुम्हारी यातनाओं के बीच तथा कष्टों को सहते हुए
धैर्य पूर्वक सहन करना तुम्हारे विश्वास को प्रकट करता
है।

5यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि परमेश्वर का
न्याय सच्चा है। उसका उद्देश्य यही है कि तुम परमेश्वर
के राज्य में प्रवेश करने योग्य ठहरो। तुम अब उसी
के लिये तो कष्ट उठा रहे हो। 6निश्चय ही परमेश्वर
की दृष्टि में यह न्यायोचित है कि तुम्हें जो दुख दे रहे हैं,
उन्हें बदले में दुख ही दिया जाये। 7और तुम जो कष्ट
उठा रहे हो, उन्हें हमारे साथ उस समय विश्राम दिया
जाये जब प्रभु यीशु अपने सामर्थ्यवान दूतों के साथ स्वर्ग
से 8धधकती आग में प्रकट हो। और जो परमेश्वर को
नहीं जानते तथा हमारे प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार
पर नहीं चलते, उन्हें दण्ड दिया जाएगा। 9उन्हें अनन्त
विनाश का दण्ड दिया जायेगा। तथा उन्हें प्रभु और
उसकी महिमापूर्ण शक्ति के सामने से हटा दिया
जायेगा। 10ऐसा तब होगा जब वह अपने पवित्र जनों के
बीच महिमा मंडित तथा सभी विश्वासियों के लिए
आश्चर्य का हेतु बनने के लिए आयेगा उसमें तुम लोग भी
शामिल होवोगे क्योंकि हमने उसके विषय में जो साक्षी
दी थी, उस पर तुमने विश्वास किया था।

11इसीलिये हम तुम्हारे हेतु परमेश्वर से सदा प्रार्थना करते
हैं कि हमारा परमेश्वर तुम्हें उस जीवन के योग्य समझे
जिसे जीने के लिए तुम्हें बुलाया गया है। और वह तुम्हारी
हर उत्तम इच्छा को प्रबल रूप से परिपूर्ण करे और हर उस
काम को वह सफल बनाये जो तुम्हारे विश्वास का परिणाम
है। 12इस प्रकार हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम तुम्हारे
द्वारा आदर पायेगा। और तुम उसके द्वारा आदर पाओगे।
यह सब कुछ हमारे परमेश्वर के और यीशु मसीह के अनुग्रह
से होगा।

प्रभु के आने से पूर्व दुर्घटनाएँ घटेंगी

2 हे भाइयो,अब हम अपने प्रभु यीशु मसीह के फिर से
आने और उसके साथ परस्पर एकत्र होने के विषय
में निवेदन करते हैं 2कि तुम अचानक अपने विवेक को
किसी भविष्यवाणी किसी उपदेश अथवा किसी ऐसे पत्र से
मत खोना जिसे हमारे द्वारा लिखा गया समझा जाता हो और
तथाकथित रूप से जिसमें बताया गया हो कि प्रभु का दिन
आ चुका है, तुम अपने मन में डावाँडोल मत होना। 3तुम
अपने आपको किसी के भी द्वारा किसी भी प्रकार छला मत
जाने दो। मैं ऐसा इसीलिये कह रहा हूँ क्योंकि वह दिन उस
समय तक नहीं आयेगा जब तक कि परमेश्वर से मुँह मोड़
लेने का समय नहीं आ जाता और व्यवस्थाहीनता का व्यक्ति
प्रकट नहीं हो जाता। उस व्यक्ति की नियति तो विनाश है।
4वह अपने को हर वस्तु से ऊपर कहेगा और उनका विरोध
करेगा। ऐसी वस्तुओं का जो परमेश्वर की हैं या जो पूजनीय
हैं। यहाँ तक कि वह परमेश्वर के मंदिर में जा कर सिंहासन
पर बैठ यह दावा करेगा कि वही परमेश्वर है।
5क्या तुम्हें याद नहीं है कि जब मैं तुम्हारे साथ ही था
तो तुम्हें यह सब बताया गया था। 6और तुम तो अब यह

जानते ही हो कि उसे क्या रोके हुए हैं ताकि वह उचित अवसर आने पर ही प्रकट हो। 7मैं ऐसा इसलिये कह रहा हूँ क्योंकि व्यवस्थाहीनता की रहस्यमयी शक्ति अभी भी अपना काम कर रही है। अब कोई इसे रोक रहा है और वह तब तक इसे रोकता रहेगा, जब तक, उसे रोके रखने वाले को रास्ते से हटा नहीं दिया जायेगा। 8तब ही वह व्यवस्थाहीन प्रकट होगा। जब प्रभु यीशु अपनी महिमा में फिर प्रकट होगा वह इसे मार डालेगा तथा अपने पुन:आगमन के अवसर पर अपनी उपस्थिति से उसे नष्ट कर देगा। 9उस व्यवस्थाहीन का आना शैतान की शक्ति से होगा तथा वह बहुत बड़ी शक्ति, झूठे चिह्नों और आश्चर्यकर्मों 10तथा हर प्रकार के पाप पूर्ण छल–प्रपंच से भरा होगा। वह इनका उपयोग उन व्यक्तियों के विरुद्ध करेगा जो सर्वनाश के मार्ग में खोये हुए हैं। वे भटक गए हैं क्योंकि उन्होंने सत्य से प्रेम नहीं किया है; कहीं उनका उद्धार न हो जाये 11इसीलिये परमेश्वर उनमें एक छली शक्ति को कार्यरत कर देगा जिससे वे झूठ में विश्वास करने लगे थे। इससे उनका विश्वास जो झूठा है, उस पर होगा। 12इससे वे सभी जिन्होंने सत्य पर विश्वास नहीं किया और झूठ में आनन्द लेते रहे, दण्ड पायेंगे।

तुम्हें छुटकारे के लिये चुना गया है

13प्रभु में प्रिय भाइयो, तुम्हारे लिये हमें सदा परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिये क्योंकि परमेश्वर ने आत्मा के द्वारा तुम्हें पवित्र करके और सत्य में तुम्हारे विश्वास के कारण उद्धार पाने के लिये तुम्हें चुना है। जिन व्यक्तियों का उद्धार होना है, तुम उस पहली फसल के एक हिस्से हो। 14और इसी उद्धार के लिए जिस सुसमाचार का हमने तुम्हें उपदेश दिया है उसके द्वारा परमेश्वर ने तुम्हें बुलाया ताकि तुम भी हमारे प्रभु यीशु मसीह की महिमा को धारण कर सको। 15इसलिये भाइयो, अटल बने रहो तथा जो उपदेश तुम्हें मौखिक रूप से या हमारे पत्रों के द्वारा दिया गया है, उसे थामे रखो।

16अब हमारा प्रभु स्वयं यीशु मसीह और हमारा परम पिता परमेश्वर जिसने हम पर अपना प्रेम दर्शाया है और हमें परम आनन्द प्रदान किया है तथा जिसने हमें अपने अनुग्रह में सुदृढ़ आशा प्रदान की है। 17तुम्हारे हृदयों को आनन्द दे और हर अच्छी बात में जिसे तुम कहते हो या करते हो, तुम्हें सुदृढ़ बनाये।

हमारे लिये प्रार्थना करो

3 हे भाइयो, तुम्हें कुछ और बातें हमें बतानी हैं। हमारे लिए प्रार्थना करो कि प्रभु का संदेश तीव्रता से फैले और महिमा पाये। जैसा कि तुम लोगों के बीच हुआ है। 2प्रार्थना करो कि हम भटके हुओं और दुष्ट मनुष्यों से दूर रहें। (क्योंकि सभी लोगों का तो प्रभु में विश्वास नहीं होता।)

3किन्तु प्रभु तो विश्वासपूर्ण है। वह तुम्हारी शक्ति बढ़ायेगा और तुम्हें उस दुष्ट से बचाये रखेगा। 4हमें प्रभु में तुम्हारी स्थिति के विषय में विश्वास है। और हमें पूरा निश्चय है कि हमने तुम्हें जो कुछ करने को कहा है, तुम वैसे ही कर रहे हो और करते रहोगे।5प्रभु तुम्हारे हृदयों को परमेश्वर के प्रेम और मसीह की धैर्यपूर्ण दृढ़ता की ओर अग्रसर करे।

कर्म की अनिवार्यता

6भाइयो! अब तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में यह आदेश है कि तुम हर उस भाई से दूर रहो जो ऐसा जीवन जीता है जो उस के लिए उचित नहीं है। 7मैं यह इसलिये कह रहा हूँ क्योंकि तुम तो स्वयं ही जानते हो कि तुम्हें हमारा अनुकरण कैसे करना चाहिये क्योंकि तुम्हारे बीच रहते हुए हम कभी आलसी नहीं रहे। 8हमने बिना मूल्य चुकाये किसी से भोजन ग्रहण नहीं किया, बल्कि जतन और परिश्रम करते हुए हम दिन रात काम में जुटे रहे ताकि तुममें से किसी पर भी बोझ न पड़े। 9ऐसा नहीं कि हमें तुमसे सहायता लेने का कोई अधिकार नहीं है, बल्कि हम इसलिये कड़ी मेहनत करते रहे ताकि तुम उसका अनुसरण कर सको। 10इसीलिये हम जब तुम्हारे साथ थे, हमने तुम्हें यह आदेश दिया था: "यदि कोई काम न करना चाहे तो वह खाना भी न खाये।"

11हमें ऐसा बताया गया है कि तुम्हारे बीच कुछ ऐसे भी हैं जो ऐसा जीवन जीते हैं जो उनके अनुकूल नहीं है। वे कोई काम नहीं करते, दूसरों की बातों में टाँग अड़ाते हुए इधर–उधर घूमते फिरते हैं। 12ऐसे लोगों को हम यीशु मसीह के नाम पर समझाते हुए आदेश देते हैं कि वे शांति के साथ अपना काम करें और अपनी कमाई का ही खाना खायें। 13किन्तु हे भाइयो, जहाँ तक तुम्हारी बात है, भलाई करते हुए कभी थको मत।

14इस पत्र के माध्यम से दिये गये हमारे आदेशों पर यदि कोई न चले तो उस व्यक्ति पर नजर रखो और उसकी संगत से दूर रहो ताकि उसे लज्जा आये। 15किन्तु उसके

साथ शत्रु जैसा व्यवहार मत करो बल्कि भाई के समान उसे चेताओ।

पत्र का समापन

16अब शांति का प्रभु स्वयं तुम्हें हर समय, हर प्रकार से
शांति दे। प्रभु तुम सब के साथ रहे।

17मैं पौलुस स्वयं अपनी लिखावट में यह नमस्कार लिख
रहा हूँ।

मैं इसी प्रकार हर पत्र पर हस्ताक्षर करता हूँ। मेरे लिखने की शैली यही है।

18हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम सब पर बना
रहे।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:
- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html